

*Geizhals, der um eine Gabe angesprochen wird, ist freigebiger als ein edel handelnder Mann* Spr. 3783. — 2) b) SĀH. D. 723 nach der neuen Ausg.; Beispiel Spr. 3933. — Vgl. अन्वयधिक, उपाधिक.

अधिकमास WEBER, GJOT. 47. 63. 92. 93. 109.

अधिकरण 1) सर्वदेशान्तराभिन्नः सर्वशास्त्रविशारदः । लेखकः कथितो राज्ञः सर्वाधिकरणेषु वै ॥ so v. a. für alle Angelegenheiten Spr. 3209. किमधिकरणाः (adj. comp.) सत्तु च प्रुचः und worauf soll die Trauer bezogen werden? 2331. — 3) DAČAR. in BENF. Chr. 180, 20.

अधिकरणचन्द्रिका (अ + च) f. Titel einer Schrift HALL 184.

अधिकरणमाला (अ + मा) f. desgl. Verz. d. Oxf. H. 291, b, No. 707.

अधिकरणरत्नमाला (अ + र) f. desgl. ebend. 232, a, 14. HALL 183. 186.

अधिकष्ट (1. अ + कष्ट) n. grosses Elend, grosser Jammer BHĀG. P. 5, 12, 7.

अधिकाधिक (अधिक + अ) adj. immer mehr und mehr: °वाञ्छा Spr. 1088. RĀGA-TAR. 3, 264.

अधिकार 1) Z. 3 lies अविश्रामो. — 4) किमिच्छास्ति यतेस्तवाधिकारः was hast du hier zu schaffen? Vorz. d. Oxf. H. 260, a, N., Z. 1. — Vgl. noch BURNOUF in Lot. de la b. l. 312. fg.

अधिकारपुरुष (अ + पु) m. ein Beamter RAGH. 3, 63. अधिकारिपुरुष ed. Calc.

अधिकारिता (von अधिकारिन्) f. Oberaufsicht über (loc.): आकारेषु JĀG. 3, 242.

अधिकारित्व (wie eben) n. dass.: गञ्जाधि RĀGA-TAR. 3, 470.

अधिकारिन् 1) a) अधिकारिपुरुष ein Beamter RAGH. ed. Calc. 3, 63. प्रतीकाराधि KATHĀS. 23, 57. गञ्जाधि RĀGA-TAR. 3, 470. Vgl. धर्माधि. — b) c) (identisch) WEBER, RĀMAT. Up. 287. 329. Verz. d. Oxf. H. 87, a, 22. b, 11. 272, b, No. 644. 277, a, 2 v. u.

अधिकृत 2) RAGH. 7, 26. — Vgl. auch u. 1. कर mit अधि.

अधिकोक्ति (अधिक + उ) f. ein Ueberfluss an Worten: किमधिकोक्तिभिः (= किं बहुना) wozu die vielen Worte? so v. a. um es kurz zu sagen KATHĀS. 17, 167.

अधिकोद्देशित (अधिक + उ) wohl Bez. eines best. Gesangstückes RĀGA-TAR. 3, 365.

अधिनेप Hohn, Spott: अधिनेपापमानादेः प्रयुक्तस्य परिण यत् । प्राणात्पये ऽप्यसक्तं ततेजः समुदाहृतम् ॥ SĀH. D. 93. DAČAR. 2, 12. माननाति-मधिनेपैर्वीराणां व्यथितान्वक्तुम् RĀGA-TAR. 3, 234. °वचन DAČAR. in BENF. Chr. 184, 16. स ते प्रज्ञाधिनेपः (स्यात्) das hiesse sich über deinen Verstand lustig machen 188, 3. साधिनेपं वचः MBh. 1, 8116.

अधिग s. डरधिग.

अधिगतव्य zu erreichen, zu ergründen: स्रष्टोणां च नदीनां च कुलानां च महात्मनाम् । प्रभवो नाधिगतव्यः स्त्रीणां डुश्चरितस्य च ॥ Spr. 3817. zu studiren M. 2, 165.

अधिगम 2) KUMĀRAS. 3, 59. RAGH. 8, 17. 18, 49. RĀGA-TAR. 3, 45. विर-हाधिगम das Erfahren, — Erleiden ÇIÇ. 9, 17. — Vgl. डरधिगम.

अधिगम्य zu studiren MBh. 1, 3839.

अधिगव Z. 3 lies 9, 6, 39 st. 9, 8, 9.

अधिगोप्तृ (von गुप् mit अधि) nom. ag. Hüter: s. धनाधि.

अधिचङ्कम lies 11, 9, 16 st. 11, 11, 16.

अधिचर (von चर mit अधि) adj. überschüssig ÇĀÑKH. Br. 19, 2.

अधिज्ञानु (अ + ज्ञानु) adv. auf das Knie: बाहुमुपधाय ÇIÇ. 9, 54.

अधिज्ञ, °धन्वन् KAUC. 73. ÇAT. Br. 9, 1, 4, 6. ÇĀÑKH. Çr. 14, 22, 20. Z. 3 lies 4, 4, 7 st. 4, 7, 4.

अधिदण्डनेतरु s. u. दण्डनेतरु.

अधिदेव vgl. देवाधिदेव.

अधिदेवता, चन्द्रस्य KATHĀS. 7, 61. हेमपीठाधि RAGH. 4, 84. हास्यर-साधि MALLIN. zu KUMĀRAS. 7, 95.

अधिदेवन TS. 3, 4, 8, 2.

अधिदेव WEBER, RĀMAT. Up. 330. Das Verhältniss von अधिदेव (अधि-देवत), अधिभूत und अध्यात्म ist Folgendes: अध्यात्म ist die Seele —, der Agens einer Thätigkeit, अधिभूत das Gebiet oder Object des Agens, अधिदेव oder अधिदेवत die den Agens leitende Gottheit; so sind z. B. वाच्, die Füße und der penis das अध्यात्म in Bezug auf das वक्तव्य, गतव्य und आनन्दपितव्य, welche das अधिभूत sind, Pṛthvi, Vishṇu und Praḡāpati das अधिदेव, TATTVAS. 27.

अधिदेवत MBu. 13, 1054. मोमोसाहृदयाधिदेवतेन कुमारिलस्वामिना PRAB. 110, 8. Vgl. u. अधिदेव.

अधिनाथ Oberherr: रत्नोऽधि = रावण PRAB. 78, 4. — Vgl. जनाधि, प्राणाधि.

अधिपति 1) mit gen. und loc. P. 2, 3, 39.

अधिपूरुष m. = अधिपुरुष = विराज् = मनुः स्वायंभुवः Verz. d. Oxf. H. 39, a, 7.

अधिपौरुष (1. अ + पौ) n. die höchste Manneskraft MBu. 13, 1054.

अधिप्लवन (von प्लु mit अधि) n. das Hinüberspringen: पायोधि SĀH. D. 40.

अधिकोणित (1. अ + फा) übergossen mit verdicktem Zuckerrohrsaft MBu. 13, 3277.

अधिबल (1. अधि + बल) n. 1) das Ueberbieten (Rede durch Rede) DAČAR. 3, 16. PRATĀPAR. 23, b, 4. 39, a, 1. SĀH. D. 326. — 2) in der Dramatik das Anführen —, das hinter-das-Licht-Führen Jmdes durch Verkleidung DAČAR. 1, 37. PRATĀPAR. 21, b, 9; vgl. अभिबल.

अधिवाधितृ (von 1. वाध् mit अधि) nom. ag. Belästiger, Quäler: सर्वदेवाधि HANIV. 6792, v. 1. für अभिवाधितृ.

अधिबुधुपु (vom desid. von 1. भू mit अधि) adj. der die Oberhand bekommen will AÇV. Çr. 9, 3, 11.

अधिभूत MBu. 13, 1054. WEBER, RĀMAT. Up. 330. Vgl. u. अधिदेव.

अधिमन्य vgl. अभिमन्य.

अधिमात्रकारुणिक (अ = अतिमात्र + का) m. N. pr. eines Mahābrahman Lot. de la b. l. 103.

अधिमासक ni. = अधिमास WEBER, GJOT. 93. 96. 98. Nax. 2, 336.

अधिमुक्ति vgl. Lot. de la b. l. 337. fg. 374. °चर्य respectueux, pieux, dévot Kow. Mong. Wört. 1136.

अधिमेत m. Neigung VJUP. 38.

1. अधियज्ञ MBh. 13, 1053.

2. अधियज्ञ, संभारः MBh. 2, 1233.

अधिरथ 1) a) adj. auf dem Wagen stehend, zu Wagen seiend; ni. Kämpfer zu Wagen (nicht gerade Wagenlenker) BUĀG. P. 3, 1, 40. R. 5, 82, 20. — b) MBu. 1, 2773 (°रथि ed. Calc.). 3, 17153. fg. N. pr. eines